an>

Title: Need to reduce or abolish the minimum export price of onions.

श्री हरिश्चन्द्र चव्हाण)दिंडोरी:(देश में कुल प्याज उत्पादन में मेरे संसदीय क्षेत्र दिंडोरी का अग्रणी स्थान है। यहां देश के अन्य प्याज उत्पादक क्षेत्रों की तुलना में ज्यादा मात्रा में प्याज का उत्पादन हो रहा है यहां के अधिकांश किसान प्याज की खेतीबाड़ी करते हैं और प्याज की फसल के माध्यम से अपने परिवार का लालन-पालन करते हैं। पिछले कुछ वर्षों से मेरे गृह जिले नासिक के अलावा पुणे ,सोलापुर, अहमदनगर ,धुले ,बुलढाना एवं जलगांव जिलों में कभी सूखा ,कभी अनियमित बारिश से प्याज के उत्पादन पर काफी प्रभाव पड़ा है। प्याज के कम उत्पादन से प्याज के भाव बहुत बढ़े है। इस बढ़े दाम से किसानों को कोई फायदा न होकर सारा फायदा व्यापारियों को गया। मौसम के कारण प्याज की फसल पर प्रभाव पड़ता है। परन्तु सरकार की प्याज निर्यात मूल्य नीति का प्रभाव भी बहुत ज्यादा पड़ता है। इस नीति के उपयोग से किसानों को उनकी प्याज की फसल का वाजिब दाम नहीं मिला है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय प्याज की मांग ज्यादा है तो उसका फायदा किसानों को मिलना चाहिए । एक तरफ हम किसानों के हित की बात करते हैं उनको उत्पादन लागत मूल्य देने की चर्चा करते हैं तो दूसरी तरफ न्यूनतम निर्यात मूल्य 770अमेरिकन डॉलर प्रति टन तय कर देते हैं ,जिसके कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय प्याज महंगी हो जाने से भारतीय प्याज की मांग गिर जाती है। दूसरे देश के प्याज की कीमत कम होने के कारण उनकी मांग ज्यादा हो जाता है। प्याज के अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में पाकिस्तान ,चीन मिस्र तथा ईरान आदि देशों का कब्जा हो जाता है इस तरह से हम विदेशी मुद्रा कमा नहीं पाते ,भारतीय प्याज किसानों को वाजिब दाम नहीं दिला पाते ,जिसका परिणाम होता है कि भारत में हजारों टन प्याज सड़ जाती है एवं भारत के राजस्व को क्षति पहुंचती है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि प्याज का न्यूनतम निर्यात मूल्य समाप्त किया जाए या शून्य किया जाए जिससे भारतीय किसान अंतर्राष्ट्रीय प्याज बाजार के मूल्यों से लाभ कमा सकें एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ज्यादा प्याज बेचकर विदेशी मुद्रा कमा सकें ।